

५००० रुपये

5000Rs

५००० रु.

R 5000

मात्रन

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES



विक्रम विलोक्य

विक्रम मूल्य : रुपा ३,४६,०००/-

बाजारी मूल्य : रुपा १,६२,८००/-

स्ट्राइप शुल्क : रुपा ३४,५००/-

पटगाना : दिजनीर

यह विक्रम विलोक्य राजेन्द्र कुमार, रविन्द्र कुमार एवं रामधीर भुजार

पुस्तक नगर, निषादभिगा-पाय-बुद्धुक नगर, अगिनाथड़, पटगाना-

किल्नीर, तहसील च खिला जलनहर जिल्हे आणि विकासगांव बस्ता

6/17/6

..... निकु.....
प्रतिवार्षीय दस्तावेज़..... दस्तावेज़.....
वास..... भूमि अर्थात् भूमि अर्थात्
विधायी
पुरुष विधायी भूमि दस्तावेज़
पा. नं. ८३३, दा. नं. २१-४३-०१
भूमि ५,४६५ एकड़ी ००० एकड़ी

$$S_{\text{CMB}} \propto T^3 = S_{\text{CMB}}$$

१०८

2. 1. 1. 1. 1.

卷之三

— 10 —

卷之三

10

卷之三

5000 Rs.



- 2 -

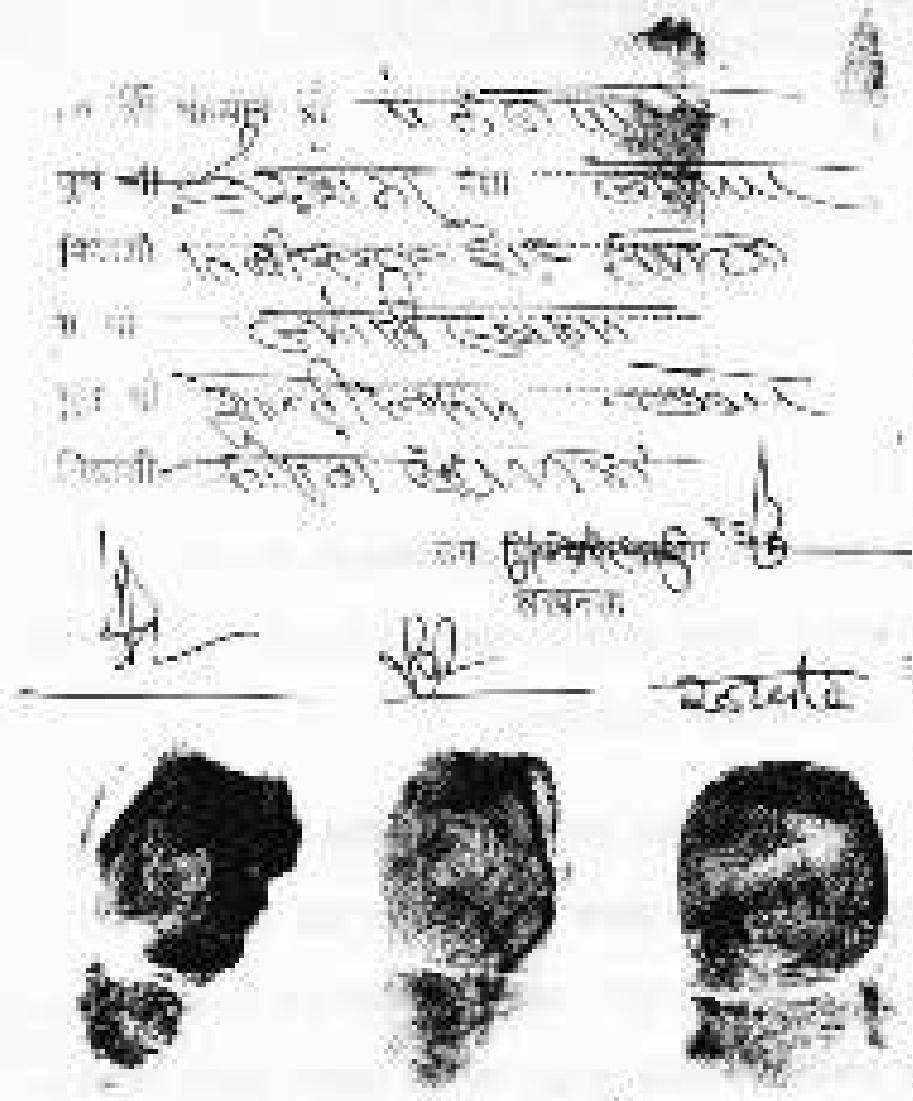
गवा है, एवम् आदा पाल पुत्र बाली, निवासी—मिहापुर, भिटाडी,
पोस्ट—नगगांव, जिला—फलोहपुर, उम्मा लिन्हे अपि केता कहा गवा
है, के गवा निष्पादित किया गवा।

यह कि विदेशमान सत्यानित चट्ठाणिका छातीनी संन् 1408
से 1413 फलसली के आता छातीनी लाम सं० ०३२ के लसरा
कंठ्या-४७ द्वयना ०.१५५, लसरा संक्ष्या-४८ द्वयना ०.१२४,
खसरा संक्ष्या-४९ द्वयना ०.१०१, खसरा संक्ष्या-२५२ स द्वयना ०.

पृष्ठ १००१/१०१

111 61106
काशी देवी
काशी पारा तो काली

किंजिप छुल्हा आजवर्दि
ला० १० २२८, दा० ४२ ३१-०३-०९
१३५ रु४४५ किंजिप बाज० ११ ७०



काशी पारा

काशी देवी

काशी देवी रामेश्वर के किंजिप
संग्रहीत गिरावट दिए गए हैं।

पर्याप्त विवरण

5000 Rs



०६३, कुल चाट मिला व कुल रबवा ०.४४३ हेक्टेअर में से अग्रा
हिस्सा अधीत ०.१४८ हेक्टेअर, इलान ग्राम-युक्त नगर,
बगियामऊ, पटना-बिजनीट, लाहसील व जिला-लखनऊ, के
गालिक, कामिल व खानिज हैं, उक्त मूर्धि विक्रेतागण को विरासत
में पिछी है। उक्तोंका विक्रीत वश्वार्षिक खतोनी ज्ञान संख्या-०३२
को आधार पर विक्रेतागण का नाम राज्यरूप अमिलोद्वारों वे संकृतीय
भूमिका के लिए गौ ढर्ज हो चुका है। विक्रेतागण अपना समूर्ध
हिस्सा अपने पुरे होतो हवाज़ में बिना किसी जोह जबड़की चा





दृष्टव्य की, अंतता यही इस विद्वन्न विलोक्य द्वारा विद्वन्न यत्त दाह है विकलेतागण उपरोक्त सम्बुद्धि भूमि के मालिक, कशनिल व कलापिन हैं एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि कृषि भूमि है, और वह कि विकलेतागण वह धोखित करता है कि उपरोक्त धर्मित भूमि सभी प्रकार के मात्रों से मुक्ता एवं पाषाण व साक्ष है तथा विकलेतागण ने उसे इस विद्वन्न के पूर्ण कर्त्तव्य, लिया, गिरवी या अनुबर्त्तित इत्यादि नहीं किया है। उपरोक्त मूमि वा उसका करोड़ भाग विकली अध्यात्म वा सरकारी कार्यवाही के अन्तर्गत विवद का वस्तु

5000Rs



- 5 -

विषय नहीं है, जहाँ कुको इत्यादि है। विक्रेतागण के अलावा उपर
भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का उत्पात, हक्क या दाया इत्यादि नहीं
है। एवं विक्रेतागण को उत्पात विभाव आदान पदने का पूर्ण
अधिकार प्राप्त है। आत्म उपरोक्त सहायता को पालन्तरण रुप
3,45,000/- (साप्तवा तीन लाख पैसालिस हजार गाड़) के
प्रतिफल में, जिसका कि उपरोक्त छेत्रा हाटा विक्रेतागण की इस
विलोक्त के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित विधि के अनुसार
मुग्धान कर दिया गया है एवं जिसकी आविष्कार की विक्रेतागण बहु

5000 Rs



- 6 -

स्वीकृत करता है, तदानुसार उमत विज्ञानगण उमत प्रेतो के हाथ उपदोषता याणींत श्रूपि, जिसका विवरण इस विज्ञान विलोक्त की अन्त में अनुसूली के असंगत दिया गया है, जो कलई बेव दिया है, एवं विज्ञानगण ने विकायशुद्ध मूर्म का चौके पर कम्बा ज्ञाता यतो बलूली पाठा दिया गया है। अब उमत आराजी पर विक्षेपामाग तथा उल्लक्षणात्मक स्थान कोइ अधिकार नहीं है। विज्ञानगण ने विक्षयशुद्ध सम्पादित को अपने द्वानित्य की समस्ता अधिकारों की साध पूर्णतया य उभेहा को लिए गैता को उल्लासादित यह दिया है। अब श्रेता

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये

₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

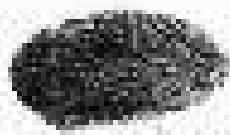
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

16/8/2017

- 7 -

विकल्पशुद्धा सम्पत्ति एवं उसको प्रत्येक भाग को आपने एकमात्र स्वामित्व व अधिकार व कार्यों में सम्पत्ति के लिए में धारण एवं व्यवहार व उपभोग करते हो। किसीतागण उसको किसी प्रकार वी अप्रत्यान यागा नहीं डाल सकते हों एवं न ही कोई भांग वह सकते हो। और यदि विकल्पशुद्धा सम्पत्ति अथवा कोई भान मिक्कलागण के स्वामित्व में जुटि के बारेन या फानूनी अङ्गजन या फानूनी जुटि के बारेन ज्ञेता चा उसको बाहिसाम निवादकगण हाथादि के कार्यों ता आधिकार वा खत्व से निकल जावे तो ज्ञेता उसके बाहिसाम,

२०१६



प्रमाणित - १००

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये
₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

25619309

- १ -

निष्पाद्यगण इत्यादि को वह हक्क होगा कि वह अपना समझा नुस्खान मध्य हजार व लाख, विक्रेतागण की बल, अचल सम्पत्ति से जटिये अद्वितीय वरागुल कर ले। तरह स्थित में विक्रेतागण एवं उनके वारिसाल हजार व लाख देने हेतु वाद्य होगा।

यह कि छोटा विक्रायादा सम्पत्ति की दालिल छाहिं दागल्य अफिलेखों में अपने नाम ढंग करा ले तो विक्रेतागण को कोई आवश्यक न होगी और वह कि इस विलक्षण विलेख के पूर्ण का अग्रर क्रौर्ड रुपयों किसी ताटड़ का भाट इस सम्पत्ति पर होगा तो

१०००



1000-201-3049-14-07

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये
₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES
Rs.1000

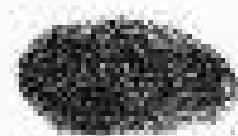
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

संख्या 619209

उसको विज्ञापन भुगतान करने काहेरों, विज्ञापन को कोई आपला न होणी।

यह कि उपरोक्त लकड़ा नम्बर याम सुनुफ नगर, बनियासऊ, अर्धनगरीय दोत्र के साइमान्य नाम के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित राट्रिन रेट ₹ 11,00,000/- प्रति फ्लैट्स के हिसाब से विक्री भुवि 0.149 हेक्टेअर की मालिचत ₹ 0 1,62,800/- होती है। चूके विक्री कूप, भूवि नवी चाजार मूल्य ते अधिक है इसलिए निवासनुसार विक्री मूल्य पर ही ₹ 0

रुपये



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये
₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

619210

- 10 -

34,500/- जनरल रटाप अदा किया जा रहा है। यह कि
उपरोक्ता विकीर्त भूमि कृषि के उपचारों के लिए लग जाती जा रही
है। इस भूमि पर कोई कुआँ, तालाब, व निराणि आदि नहीं हैं,
तथा 200 मी। के अवध्यास में योइँ निराणि नहीं है विकीर्त भूमि
किटी लिंका मार्ग, चतुरागार्ड व जनपदीय मार्ग गर लियत नहीं हैं।
विकीर्त भूमि राहिद पश्च से लगभग 500 मीटर से अधिक यी दूड़ी
पर रियत है। विक्रेतागण एवं प्रोता दोनों अनुरूपित जालि के

500 R.



- 11 -

सदस्य है। हल विभाग विलेख के निकाय का संचाला जन लोको
द्वारा बहन किया गया है।

लिखाजा यह विभाग विलेप्य विलेपागण ने लोको के गति में
लिङ्ग दिया जाति समर्थ रहे और आवश्यकता पड़ने पर लाप
आवे।



१९८५

पर्टिशन : विवरण प्रिकारबाबुदा लाम्पिन या विवरण
 सत्याग्रहित यदवार्षिक लातौनी सन् 1408 से 1413 फ़सली को
 छाला। लातौनी क्रम सं 032 को लासरा लंड्या-47 रकमा 0.
 155, लासरा लंड्या-48 रकमा 0.124, लालचा लंड्या-49 रकमा
 0.101, चासरा लंड्या-252 से रकमा 0.063, कुल घाट फिरा च
 कुल रकमा 0.443 लेटेअट से से अपना हिस्सा अधिक 0.148
 हेक्टेअट, द्वितीय छाम-शुतुफ नगर, बगिचामऊ, गटानह-प्रिकारबा
 लाहरिल य जिला-लखनऊका विस्तारी घोषित निम्न है।

छाला नं 47

पूरब : लासरा संल्या-49

परिधि : लासरा लंड्या-46

उत्तर : लासरा लंड्या-45

दक्षिण : लासरा लंड्या-48

छाला नं 48

पूर्व : लासरा लंड्या-50 व 50

परिधि : चालारा लंड्या-46

उत्तर : चालारा लंड्या-47 व 49

२५१८०१८



दाखिला

खस्ता संख्या-६४

खस्ता नं० ५९

पूर्व : खस्ता संख्या-५०

परिषम : खस्ता संख्या-४७

आट : अस्ता संख्या-४३

दक्षिण : खस्ता संख्या-४८ व ५०

खस्ता नं० २५२ व

पूर्व : खस्ता संख्या-२५३ व २५५

परिषम : खस्ता संख्या-२५१

आट : लीया घाम अहमार्ग

दक्षिण : खस्ता संख्या-२५४ व २५३

परिस्थिति : शुगलान विवरण

गुल विकास मूल्य रु० ३,४५,००/- (झपडा तीन आठ
पंचालित हजार मात्र) में से टार्केच कुमार को रु० १,१५,०००/-
एक लाख पचाह हजार मात्र) को चेक रु० १३१०६३, राशिद
कुमार को रु० १,१५,०००/- (एक लाख पचाह हजार मात्र) को

२८०८१



चेक सं० १३१०६४, रुपयीर बुनाट को ₹० १,१५,०००/- (एक
शाही पञ्चल रुपाट मात्र) को चेक सं० १३१०६६, सभी चेक
विनाशित ०६.०७.२००६, पंजाब नेहानल एक शाही हरदत्तगंज,
लखनऊ विश्वेतागण ने ब्रेता से प्राप्त विवे जया जिसकी प्राप्ति
विश्वेतागण स्वीकार करते हैं।

लखनऊ

दिनांक: ०६.०७.२००६

१.

गोपाल

१. दंबनुर प्राइंट
५/८ रुप - राहि दंबनुर विक्रिक
१० - श्री शन - दंबनुर - अंशुलभार -
गोपालनगर

२.

३.

विश्वेतागण

प्रोता जून नवमी १९०६

२.
गोपाल प्राइंट
५/८ रुप - दंबनुर
५०/५० - शन०५०
१० - दंबनुर

दाहिनी
(अमित शाह)
सियिल फोर्ट, लखनऊ

प्रालोक्यका:-

(सौन्दर अन्नर तुसीत)
एक्सोयेट

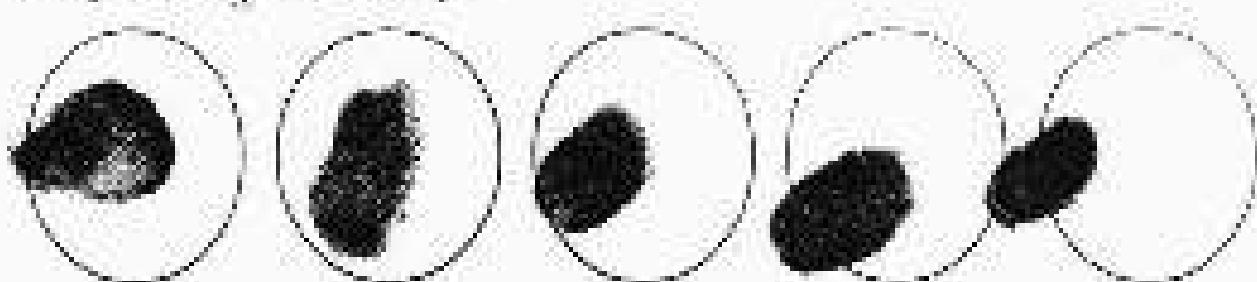
राजिस्ट्रेशन आंड० 1908 की शाखा - 32 अ० के अनुपाया हैन्।

फिल्म प्रिन्टर

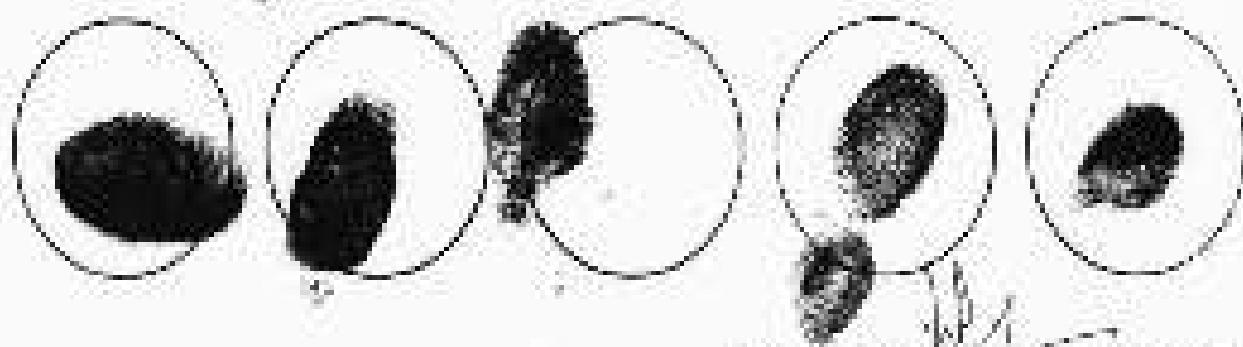
प्रत्यापाता / प्रिन्टर - नाम ए पा - अर्केन्टकू. न० ३०२

सुल्तानपुर रोड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

वापि इस के अनुसिद्धी के लिए :-



दाइने हाथ के अनुसिद्धी के लिए :-

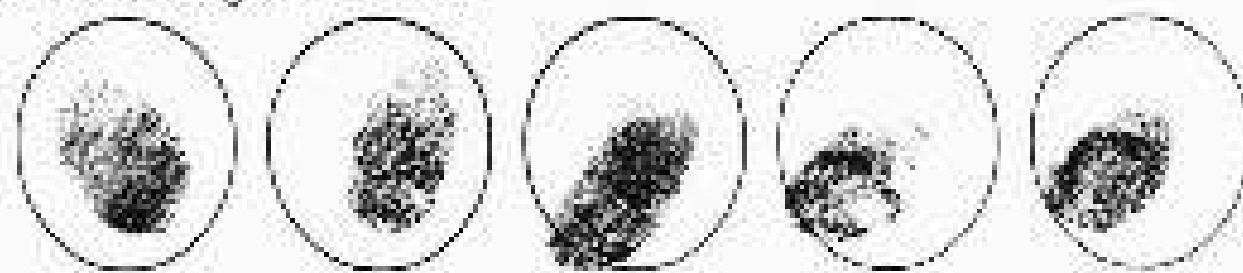


प्रत्यापाता / प्रिन्टर / फॉटो के हस्ताभ्यं

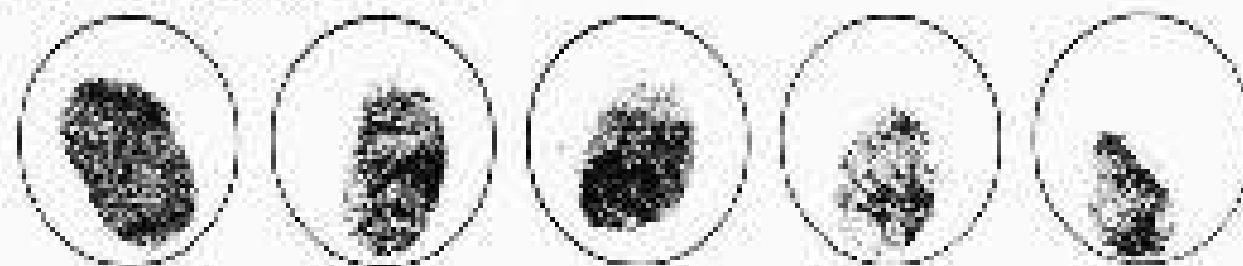
प्रिन्टर / फॉटो नाम ए पा - अर्केन्ट न० ३०२

सुल्तानपुर रोड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

वापि हाथ के अनुसिद्धी के लिए :-



दाइने हाथ के अनुसिद्धी के लिए :-



संग्रहालय शब्द अधिकारी 1908 की आवश्यकता - ३२५० के अनुपालन हेतु।

फिल्स प्रिलद्स

प्रत्युतकर्ता / विकल्प नाम व जाति

इण्डियन ग्रुप नं. १०८

मुख्य संस्कृत विभाग, विभिन्न विभाग, विभिन्न विभाग,

जाति शब्द के अनुपालनों के लिए -



शब्द के अनुपालनों के लिए -



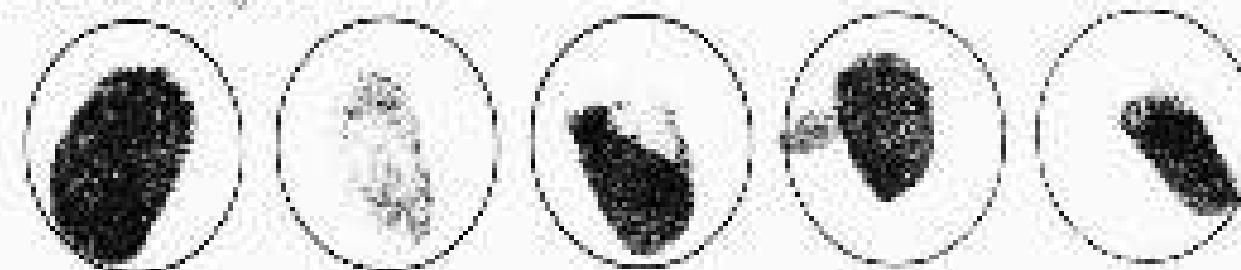
प्रिलद्स

प्रत्युतकर्ता / विकल्प / विकल्प के इनाम

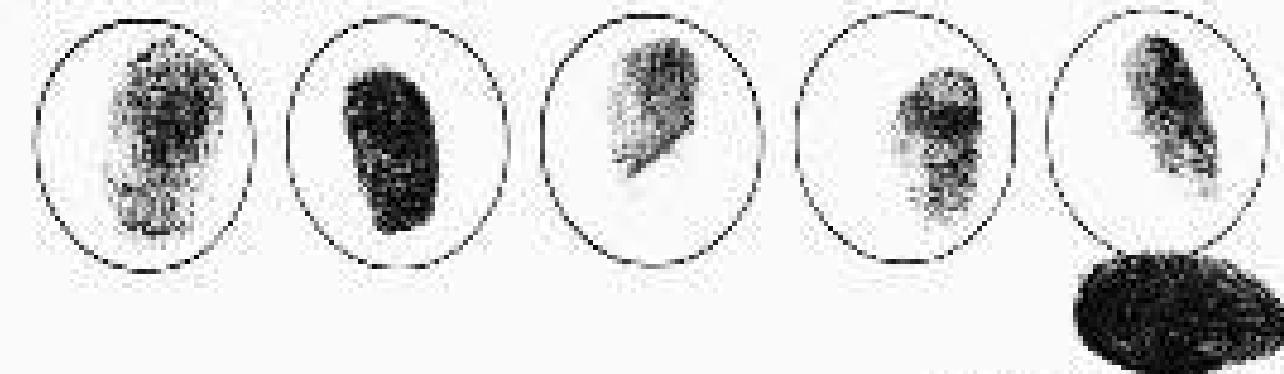
विकल्प / विकल्प नाम व जाति -

विभिन्न विभाग, विभिन्न विभाग, विभिन्न विभाग

जाति शब्द के अनुपालनों के लिए -



जाति शब्द के अनुपालनों के लिए -



ଶ୍ରୀ କୃଷ୍ଣ - ଶ୍ରୀ ମହାଦେଵ

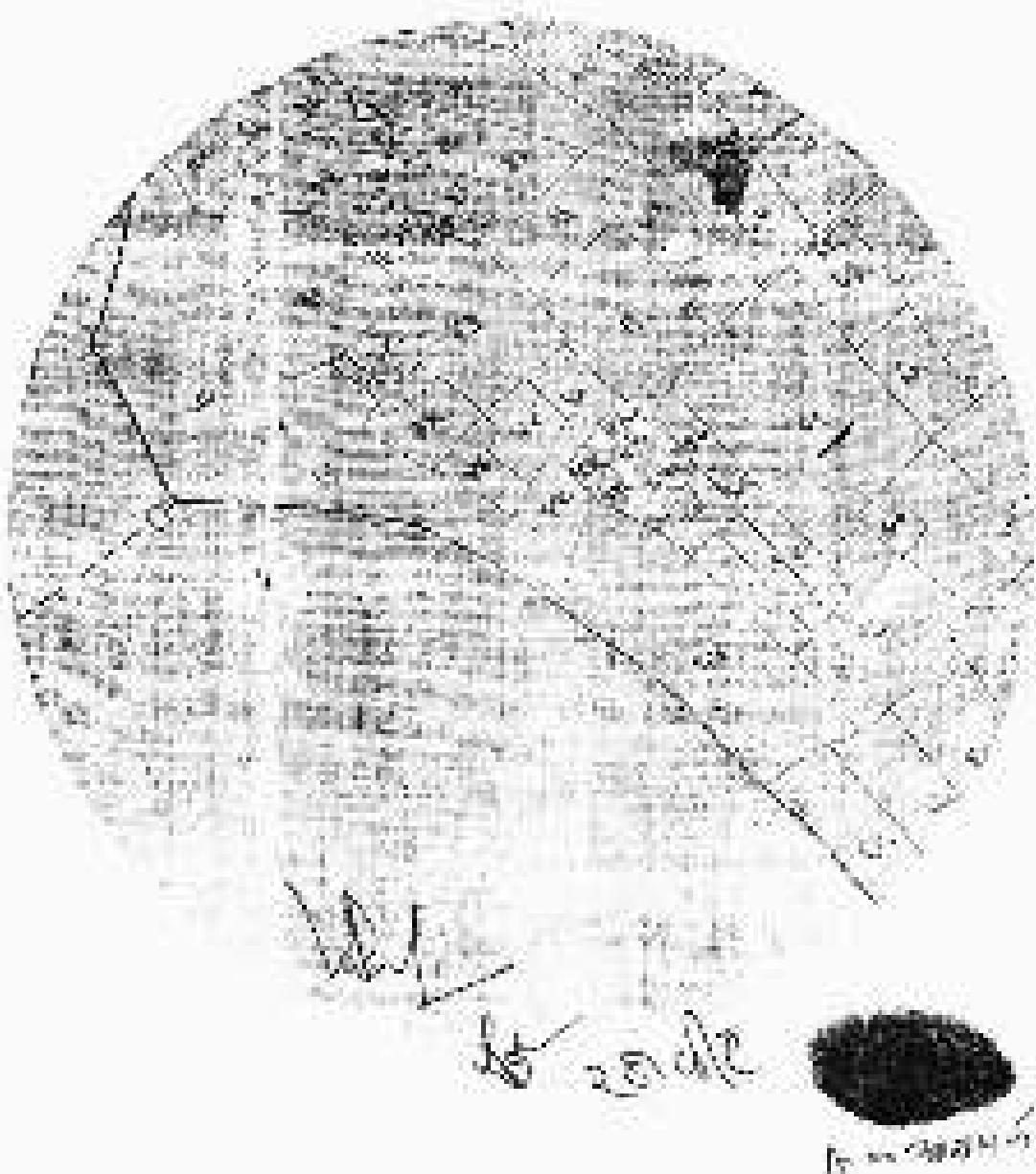
ସୁରତ : ପ୍ରଦୀପନାଳୀ ଅଧିକାରୀ, ପିଲାନ୍ଦା

ପିଲାନ୍ଦା ଫୋନ୍ : ୫୩, ୫୪, ୫୫, ୫୬, ୫୭, ୫୮, ୫୯, ୬୦, ୬୧, ୬୨,

ପିଲାନ୍ଦା : ପିଲାନ୍ଦା ପରିଷଦ୍ ପାତ୍ର ୨୫୨

ପିଲାନ୍ଦା : - ପିଲାନ୍ଦା ୫୫ ଏବଂ

୨୦୦ ଟଙ୍କା - ପିଲାନ୍ଦା ପରିଷଦ୍ ପାତ୍ର ୨୦୦ ଟଙ୍କା - ପିଲାନ୍ଦା ପରିଷଦ୍ ପାତ୍ର ୨୦୦ ଟଙ୍କା -



ପ୍ରାଚୀନ ଶାସକ

ଶାସକ : - ଉତ୍ତର ମହାଦେଶ ପାତ୍ର

ଶାସକ ନଂ : - ୧୦, ୫୮, ୮୯, ୩୬୯

ଶାସକ : - ପାତ୍ରକାଳ କରିବାର ପରିମାଣ

ଶାସକ : - ପାତ୍ରକାଳ କରିବାର ପରିମାଣ

ଶାସକ : - ପାତ୍ରକାଳ କରିବାର ପରିମାଣ

६१२५०६

आज दिन
पुस्तक संकलन राष्ट्रीय
इष्ट लेखी वर्कशॉप ६३२५
शिवाजी भवन मिळा गया।

(२५ दिसम्बर)
द्या विषयक—त्रिप्यम
राष्ट्रगठन